

नवसर्जन संस्कृति

RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 327
दि. 31.03.2026,
मंगलवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

'कुर्सी से एक दिन तो जाना ही है'; जब सीएम योगी ने सुनाया नोएडा के अपशकुन वाला किस्सा, अखिलेश पर निशाना

(जीएनएस)। लखनऊ: उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नोएडा को अपशकुन बताए जाने वाले किस्से का एक बार फिर जिक्र किया। लगातार दो दिनों में दो बार नोएडा के इस किस्से के जरिए विपक्ष पर निशाना साधा गया। एक दिन पहले शनिवार को पीएम नरेंद्र मोदी ने नोएडा आने से रोकने की घटना का जिक्र किया था। उन्होंने कहा कि नोएडा को पहले की सरकारों ने लूट का एटीएम बना दिया, लेकिन उसे उसके हाल पर छोड़ दिया गया। पीएम ने कहा था कि हमलोग नोएडा आए। आज नोएडा सबसे तेजी से विकसित होते शहरों की श्रेणी में शामिल हो गया है। वहीं, रविवार को नोएडा पर कुर्सी जाने वाले अपशकुन का जिक्र करते हुए तंज कसा।

लेकर बड़ी बात कही। सीएम ने कहा कि मेरे कपड़े को देखकर लोग मानते हैं कि मैं अंधविश्वास को मानता होंगा। सीएम योगी ने आगे कहा कि मैं आस्था में विश्वास करता हूँ। सबकी आस्था का भी सम्मान करता हूँ, लेकिन अंधविश्वास को कतई नहीं मानता। नोएडा का उदाहरण देते हुए सीएम ने कहा कि मुझे बोला गया था कि नोएडा नहीं जाना है। मैंने कहा क्यों? क्या वहाँ सीएम नहीं जाते?

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मैंने सवाल किया, क्या नोएडा यूपी से बाहर है? इसके बाद मुझे बताया गया कि यह मान्यता है, वहाँ जाएंगे तो सीएम कुर्सी से उतर जाएंगे। हमने

कहा कि कुर्सी से एक न एक दिन जाना ही है, तो कुर्सी के मोह में हम क्यों पड़े? मैं वहाँ जरूर जाऊंगा और अखिलेश पर साधा निशाना सीएम योगी ने कार्यक्रम के दौरान पूर्व सीएम और सपा अध्यक्ष पर भी

हुए वे नोएडा नहीं गए, लेकिन अपनी विभाजनकारी राजनीति के लिए आज प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 31 मार्च 2026 को गुजरात का दौरा करेंगे। प्रधानमंत्री गांधीनगर में सुबह लगभग 10 बजे सम्राट संप्रति संग्रहालय का उद्घाटन करेंगे और इस अवसर पर जनसभा को संबोधित भी करेंगे। प्रधानमंत्री अहमदाबाद के सानंद में स्थित केयन्स सेमीकॉन प्लांट का दोपहर लगभग 12:45 बजे उद्घाटन करेंगे और जनसभा को संबोधित करेंगे। इसके बाद, प्रधानमंत्री वाव-भराद जाएंगे, जहाँ शाम लगभग 4 बजे, वे 20,000 करोड़ रुपये से अधिक की अनेक विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे और उनका उद्घाटन करके राष्ट्र को समर्पित करेंगे। इस अवसर पर वे जनसभा को भी संबोधित करेंगे।

प्रसिद्ध सम्राट सम्राटि के नाम पर स्थापित यह संग्रहालय जैन धर्म की समृद्ध ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और प्रदर्शनों को आधुनिक डिजिटल और ऑडियो-विजुअल उपकरणों के साथ एकीकृत करता है, जिससे आगंतुकों, प्रदर्शनों को आधुनिक डिजिटल और ऑडियो-विजुअल उपकरणों के साथ एकीकृत करता है, जिससे आगंतुकों,

बाधाएं खड़ी कीं, वे आज विकास की बात करते हैं। सिक्के और प्राचीन पांडुलिपियां शामिल हैं। जिन्हें सात भव्य दीघाओं में प्रदर्शित किया गया है। विशाल कक्षों में व्यवस्थित दो हजार से अधिक दुर्लभ खजानों से युक्त यह संग्रहालय आगंतुकों को जैन धर्म के विकास और इसके गहन सांस्कृतिक प्रभाव की कालानुक्रमिक समझ प्राप्त करने में सक्षम बनाता है। प्रधानमंत्री का सानंद दौरा प्रधानमंत्री अहमदाबाद के सानंद जीआईडीसी में स्थित केयन्स सेमीकॉन प्लांट का उद्घाटन करेंगे। इसके साथ ही इस संयंत्र में वाणिज्यिक उत्पादन की शुरुआत होगी, जो भारत के सेमीकंडक्टर क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। वाणिज्यिक उत्पादन की शुरुआत उन्नत इंटेलिजेंट पावर मांड्यूल (आईपीएम) के निर्माण से होगी, जो ऑटोमोटिव और औद्योगिक अनुप्रयोगों के लिए महत्वपूर्ण घटक हैं और जिन्हें कॉम्पैक्ट, कुशल और विश्वसनीय पावर रिवॉल्यूशन सिस्टम की आवश्यकता होती है।

विधानसभा चुनाव और उपचुनाव 2026: 2.3 लाख से अधिक मतदाता घर से मतदान की सुविधा का लाभ उठाएंगे निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल की विधानसभाओं तथा 6 राज्यों में उप-चुनावों के लिए 15 मार्च 2026 को चुनावों का कार्यक्रम घोषित किया। असम, केरल और पुडुचेरी में 9 अप्रैल 2026 को मतदान होगा। आयोग, जन प्रतिनिधित्व कानून, 1951 की धारा 60(सी) के अनुसार, 85 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ मतदाताओं और मतदाता सूची में चिह्नित दिव्यांग व्यक्तियों (पीडब्ल्यूडी) को डाक मतपत्र के माध्यम से घर से मतदान (होम वोटिंग) की वैकल्पिक सुविधा प्रदान करता है। ऐसे मतदाताओं को अधिसूचना की तिथि से 5 दिन के भीतर अपने संबंधित रिटर्निंग अधिकारी के पास आवेदन करना होता है।*

प्रधानमंत्री 31 मार्च को गुजरात का दौरा करेंगे

(जीएनएस)। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 31 मार्च 2026 को गुजरात का दौरा करेंगे। प्रधानमंत्री गांधीनगर में सुबह लगभग 10 बजे सम्राट संप्रति संग्रहालय का उद्घाटन करेंगे और इस अवसर पर जनसभा को संबोधित भी करेंगे। प्रधानमंत्री अहमदाबाद के सानंद में स्थित केयन्स सेमीकॉन प्लांट का दोपहर लगभग 12:45 बजे उद्घाटन करेंगे और जनसभा को संबोधित करेंगे। इसके बाद, प्रधानमंत्री वाव-भराद जाएंगे, जहाँ शाम लगभग 4 बजे, वे 20,000 करोड़ रुपये से अधिक की अनेक विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे और उनका उद्घाटन करके राष्ट्र को समर्पित करेंगे। इस अवसर पर वे जनसभा को भी संबोधित करेंगे।

प्रसिद्ध सम्राट सम्राटि के नाम पर स्थापित यह संग्रहालय जैन धर्म की समृद्ध ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और प्रदर्शनों को आधुनिक डिजिटल और ऑडियो-विजुअल उपकरणों के साथ एकीकृत करता है, जिससे आगंतुकों, प्रदर्शनों को आधुनिक डिजिटल और ऑडियो-विजुअल उपकरणों के साथ एकीकृत करता है, जिससे आगंतुकों,

बाधाएं खड़ी कीं, वे आज विकास की बात करते हैं। सिक्के और प्राचीन पांडुलिपियां शामिल हैं। जिन्हें सात भव्य दीघाओं में प्रदर्शित किया गया है। विशाल कक्षों में व्यवस्थित दो हजार से अधिक दुर्लभ खजानों से युक्त यह संग्रहालय आगंतुकों को जैन धर्म के विकास और इसके गहन सांस्कृतिक प्रभाव की कालानुक्रमिक समझ प्राप्त करने में सक्षम बनाता है। प्रधानमंत्री का सानंद दौरा प्रधानमंत्री अहमदाबाद के सानंद जीआईडीसी में स्थित केयन्स सेमीकॉन प्लांट का उद्घाटन करेंगे। इसके साथ ही इस संयंत्र में वाणिज्यिक उत्पादन की शुरुआत होगी, जो भारत के सेमीकंडक्टर क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। वाणिज्यिक उत्पादन की शुरुआत उन्नत इंटेलिजेंट पावर मांड्यूल (आईपीएम) के निर्माण से होगी, जो ऑटोमोटिव और औद्योगिक अनुप्रयोगों के लिए महत्वपूर्ण घटक हैं और जिन्हें कॉम्पैक्ट, कुशल और विश्वसनीय पावर रिवॉल्यूशन सिस्टम की आवश्यकता होती है।

विधानसभा चुनाव और उपचुनाव 2026: 2.3 लाख से अधिक मतदाता घर से मतदान की सुविधा का लाभ उठाएंगे निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल की विधानसभाओं तथा 6 राज्यों में उप-चुनावों के लिए 15 मार्च 2026 को चुनावों का कार्यक्रम घोषित किया। असम, केरल और पुडुचेरी में 9 अप्रैल 2026 को मतदान होगा। आयोग, जन प्रतिनिधित्व कानून, 1951 की धारा 60(सी) के अनुसार, 85 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ मतदाताओं और मतदाता सूची में चिह्नित दिव्यांग व्यक्तियों (पीडब्ल्यूडी) को डाक मतपत्र के माध्यम से घर से मतदान (होम वोटिंग) की वैकल्पिक सुविधा प्रदान करता है। ऐसे मतदाताओं को अधिसूचना की तिथि से 5 दिन के भीतर अपने संबंधित रिटर्निंग अधिकारी के पास आवेदन करना होता है।*



आध्यात्मिक विरासत को प्रदर्शित करता है। महावीर जैन आराधना केंद्र परिसर में स्थित इस संग्रहालय में सात अलग-अलग खण्ड हैं, जिनमें से प्रत्येक भारत की सभ्यतागत परंपराओं के अनूठे पहलुओं को समर्पित है। यह आगंतुकों को सदियों पुराने ज्ञान और परंपरा में अहिंसा के प्रति समर्पण तथा जैन धर्म के प्रचार-प्रसार के लिए

शोधकर्ताओं और विद्वानों के लिए एक गहन और आकर्षक अनुभव का निर्माण होता है। यह संग्रहालय सदियों पुराने दुर्लभ अवशेषों, जैन कलाकृतियों और पारंपरिक विरासत संग्रहों का संरक्षण और प्रदर्शन करता है। इनमें जटिल रूप से गढ़ी गई पत्थर और धातु की मूर्तियां, विशाल तीर्थ पट्टा और यंत्र पट्टा, लघु चित्रकारी, चांदी के रथ, शोधकर्ताओं और विद्वानों के लिए एक गहन और आकर्षक अनुभव का निर्माण होता है।

शोधकर्ताओं और विद्वानों के लिए एक गहन और आकर्षक अनुभव का निर्माण होता है। यह संग्रहालय सदियों पुराने दुर्लभ अवशेषों, जैन कलाकृतियों और पारंपरिक विरासत संग्रहों का संरक्षण और प्रदर्शन करता है। इनमें जटिल रूप से गढ़ी गई पत्थर और धातु की मूर्तियां, विशाल तीर्थ पट्टा और यंत्र पट्टा, लघु चित्रकारी, चांदी के रथ, शोधकर्ताओं और विद्वानों के लिए एक गहन और आकर्षक अनुभव का निर्माण होता है।

विधानसभा चुनाव और उपचुनाव 2026: 2.3 लाख से अधिक मतदाता घर से मतदान की सुविधा का लाभ उठाएंगे निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल की विधानसभाओं तथा 6 राज्यों में उप-चुनावों के लिए 15 मार्च 2026 को चुनावों का कार्यक्रम घोषित किया। असम, केरल और पुडुचेरी में 9 अप्रैल 2026 को मतदान होगा। आयोग, जन प्रतिनिधित्व कानून, 1951 की धारा 60(सी) के अनुसार, 85 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ मतदाताओं और मतदाता सूची में चिह्नित दिव्यांग व्यक्तियों (पीडब्ल्यूडी) को डाक मतपत्र के माध्यम से घर से मतदान (होम वोटिंग) की वैकल्पिक सुविधा प्रदान करता है। ऐसे मतदाताओं को अधिसूचना की तिथि से 5 दिन के भीतर अपने संबंधित रिटर्निंग अधिकारी के पास आवेदन करना होता है।*

अमित शाह ने आज लोक सभा में वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई) से देश को मुक्त कराने के प्रयास पर चर्चा का जवाब दिया

(जीएनएस)। वामपंथी विचारधारा की उपज है नक्सलवाद, गरीबी के कारण नक्सलवाद नहीं फैला, नक्सलवाद के कारण गरीबी फैली, कम्युनिस्ट पार्टी अन्याय का विरोध करने के लिए नहीं, बल्कि हमारी संसदीय प्रणाली का विरोध करने के लिए बनी, नक्सली हिंसा करने वालों के दिन अब लद गए हैं, नक्सलवाद का मूल कारण विकास की कमी नहीं बल्कि वामपंथी विचारधारा है, जिसे 1969 में राष्ट्रपति चुनाव जीतने के लिए तत्कालीन सत्तारूढ़ दल की नेता ने इसे स्वीकार कर लिया था नक्सल-मुक्त भारत मोदी सरकार

की सबसे बड़ी सफलताओं में से एक जिस कम्युनिस्ट पार्टी की नींव ही दूसरे देश की विचारधारा से प्रेरित हो, वो भारत का भला कैसे करेगी? इसलिए बस्तर विकास से पिछड़ गया था, लाल आतंक की परछाईं ही हट गई, अब बस्तर विकसित हो रहा है, नक्सलमुक्त भारत मोदी सरकार के सबसे ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण सफलता, इसका पूरा श्रेय केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों, विशेषकर कोबरा और उफ़्फ़रक जवानों, राज्य पुलिस, छत्तीसगढ़ पुलिस और उमरू जवानों और स्थानीय आदिवासियों को जाता है वामपंथी उग्रवादियों ने दशकों तक जहाँ विकास नहीं पहुँचने दिया, वहाँ मोदी सरकार घर-घर विकास पहुँच रही है

देश के 99.92 प्रतिशत गांव 5 किलोमीटर के दायरे में बैंकिंग सुविधाएं (बैंक शाखा, बैंक मित्र, इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक) उपलब्ध हैं सरकार का प्रयास है कि देश के सभी आबाद गांवों से 5 किलोमीटर के दायरे में बैंकिंग सुविधाओं (बैंक शाखा/बैंक मित्र (बीसी)/इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (आईपीबी)) की उपलब्धता सुनिश्चित हो। बैंकिंग सुविधाओं की उपलब्धता की निगरानी जन धन दर्शक (जेडीडी) ऐप नामक भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) आधारित एप्लिकेशन द्वारा की जाती है। बैंकों द्वारा जन धन दर्शक ऐप पर अपलोड किए गए आंकड़ों के आधार पर देश के 99.92 प्रतिशत गांवों और दादरा एवं नगर हवेली केंद्र शासित प्रदेश के 100 प्रतिशत गांवों में 5 किलोमीटर के दायरे में बैंकिंग सुविधाएं (बैंक शाखा/बैंक मित्र/आईपीबी) उपलब्ध हैं (दिनांक 06 मार्च, 2026 तक)।

मामोवादियों ने रेड कॉरिडोर भेदभाव का विरोध करने कल इए नहीं बल्कि सरकार की पहुँच कम होने के कारण चुना था, वामपंथी विचारधारा के समर्थकों ने भगवान बिरसा मुंडा, शहीद भगत सिंह या सुभाष चंद्र बोस

मामोवादियों ने रेड कॉरिडोर भेदभाव का विरोध करने कल इए नहीं बल्कि सरकार की पहुँच कम होने के कारण चुना था, वामपंथी विचारधारा के समर्थकों ने भगवान बिरसा मुंडा, शहीद भगत सिंह या सुभाष चंद्र बोस

देश के 99.92 प्रतिशत गांव 5 किलोमीटर के दायरे में बैंकिंग सुविधाएं (बैंक शाखा, बैंक मित्र, इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक) उपलब्ध हैं सरकार का प्रयास है कि देश के सभी आबाद गांवों से 5 किलोमीटर के दायरे में बैंकिंग सुविधाओं (बैंक शाखा/बैंक मित्र (बीसी)/इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (आईपीबी)) की उपलब्धता सुनिश्चित हो। बैंकिंग सुविधाओं की उपलब्धता की निगरानी जन धन दर्शक (जेडीडी) ऐप नामक भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) आधारित एप्लिकेशन द्वारा की जाती है। बैंकों द्वारा जन धन दर्शक ऐप पर अपलोड किए गए आंकड़ों के आधार पर देश के 99.92 प्रतिशत गांवों और दादरा एवं नगर हवेली केंद्र शासित प्रदेश के 100 प्रतिशत गांवों में 5 किलोमीटर के दायरे में बैंकिंग सुविधाएं (बैंक शाखा/बैंक मित्र/आईपीबी) उपलब्ध हैं (दिनांक 06 मार्च, 2026 तक)।

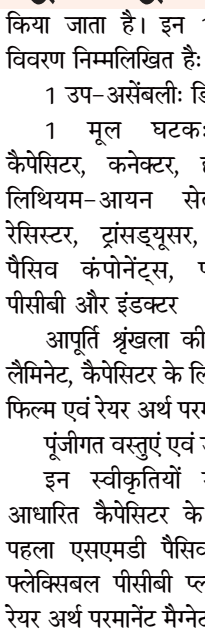
आयोजित की जाएगी। भारत की जनगणना का संचालन जनगणना अधिनियम, 1948 तथा जनगणना नियम, 1990 (समय-समय पर संशोधित) के प्रावधानों के अंतर्गत 16 जून, 2025 को भारत के राजपत्र में अधिसूचित किया गया है। जनगणना 2027 की संदर्भ तिथि 1 मार्च, 2027 की 00:00 बजे होगी (लद्दाख संघ राज्य क्षेत्र तथा जम्मू-कश्मीर संघ राज्य क्षेत्र एवं उत्तराखंड तथा हिमाचल प्रदेश राज्यों के हिमाच्छादित असमकालिक क्षेत्रों के लिए संदर्भ तिथि 1 अक्टूबर, 2026 की 00:00 बजे होगी)। जनगणना 2027 दो चरणों में आयोजित की जाएगी। पहला चरण - मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना (लखड), जो अप्रैल से सितंबर, 2026 के दौरान राज्यों/संघ राज्य क्षेत्र की सुविधा के अनुसार 30 दिनों की अवधि में आयोजित की जाएगी।

भारत सरकार द्वारा जनगणना 2027 आयोजित करने के आशय को पहला चरण - मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना (लखड), जो अप्रैल से सितंबर, 2026 के दौरान राज्यों/संघ राज्य क्षेत्र की सुविधा के अनुसार 30 दिनों की अवधि में आयोजित की जाएगी।

किया जाता है। इन 16 उत्पादों का है। इस अवसर पर, केन्द्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री विवरण निम्नलिखित हैं: 1 उप-असेंबली: डिस्प्ले मांड्यूल 1 मूल घटक: एटिना, कैपेसिटर, कनेक्टर, हीट सिंक, लिथियम-आयन सेल, रिसे, रेसिस्टर, ट्रांसड्यूसर, एसएमडी पैसिव कंपोनेंट्स, फ्लेक्सिबल पीसीबी और इंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला की 3 वस्तुएं: लैमिनेट, कैपेसिटर के लिए धातुयुक्त फिल्म एवं रेयर अर्थ परमानेंट मैग्नेट पूंजीगत वस्तुएं एवं उनके पादर्स इन स्वीकृतियों में टैटलम आधारित कैपेसिटर के लिए देश का पहला एसएमडी पैसिव प्लांट, पहला फ्लेक्सिबल पीसीबी प्लांट और पहली रेयर अर्थ परमानेंट मैग्नेट सुविधा शामिल

किया जाता है। इन 16 उत्पादों का है। इस अवसर पर, केन्द्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री विवरण निम्नलिखित हैं: 1 उप-असेंबली: डिस्प्ले मांड्यूल 1 मूल घटक: एटिना, कैपेसिटर, कनेक्टर, हीट सिंक, लिथियम-आयन सेल, रिसे, रेसिस्टर, ट्रांसड्यूसर, एसएमडी पैसिव कंपोनेंट्स, फ्लेक्सिबल पीसीबी और इंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला की 3 वस्तुएं: लैमिनेट, कैपेसिटर के लिए धातुयुक्त फिल्म एवं रेयर अर्थ परमानेंट मैग्नेट पूंजीगत वस्तुएं एवं उनके पादर्स इन स्वीकृतियों में टैटलम आधारित कैपेसिटर के लिए देश का पहला एसएमडी पैसिव प्लांट, पहला फ्लेक्सिबल पीसीबी प्लांट और पहली रेयर अर्थ परमानेंट मैग्नेट सुविधा शामिल

किया जाता है। इन 16 उत्पादों का है। इस अवसर पर, केन्द्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री विवरण निम्नलिखित हैं: 1 उप-असेंबली: डिस्प्ले मांड्यूल 1 मूल घटक: एटिना, कैपेसिटर, कनेक्टर, हीट सिंक, लिथियम-आयन सेल, रिसे, रेसिस्टर, ट्रांसड्यूसर, एसएमडी पैसिव कंपोनेंट्स, फ्लेक्सिबल पीसीबी और इंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला की 3 वस्तुएं: लैमिनेट, कैपेसिटर के लिए धातुयुक्त फिल्म एवं रेयर अर्थ परमानेंट मैग्नेट पूंजीगत वस्तुएं एवं उनके पादर्स इन स्वीकृतियों में टैटलम आधारित कैपेसिटर के लिए देश का पहला एसएमडी पैसिव प्लांट, पहला फ्लेक्सिबल पीसीबी प्लांट और पहली रेयर अर्थ परमानेंट मैग्नेट सुविधा शामिल



श्री अश्विनी वैष्णव ने इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण के लिए चार प्रमुख प्राथमिकता वाले क्षेत्रों को रेखांकित किया। सबसे पहले, उन्होंने देश में मजबूत डिजाइन

केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी.आर. पाटिल ने गंगा नदी के पुनर्जीवन पर गठित सशक्त कार्य बल की 18वीं बैठक की अध्यक्षता की

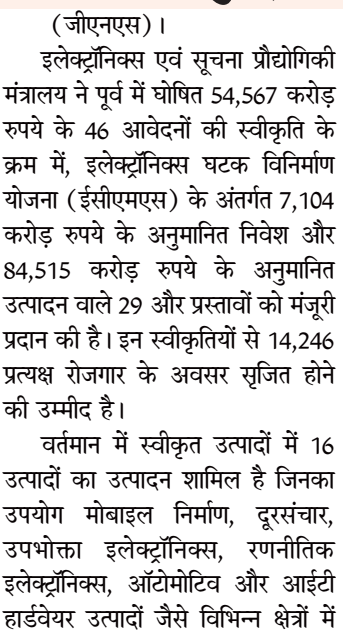
नदियों के पुनर्जीवन प्रयासों को गति प्रदान करने के उद्देश्य से केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी.आर. पाटिल की अध्यक्षता में सशक्त कार्य बल (ईटीएफ) की 18वीं बैठक 30 मार्च 2026 को आयोजित की गई। इस बैठक में स्वच्छ गंगा राष्ट्रीय मिशन (एनएमसीजी) के अंतर्गत हुई प्रगति की समीक्षा की गई और नमामि गंगा कार्यक्रम को और गति प्रदान करने के लिए प्रमुख नीतिगत, अवसंरचनात्मक और समन्वय संबंधी मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया।

दुनिया की सबसे बड़ी जनगणना दो चरणों में आयोजित की जाएगी, पहला चरण 1 अप्रैल 2026 से शुरू होगा

(जीएनएस)। भारत के महारजिस्ट्रार और जनगणना आयुक्त श्री मृत्युंजय कुमार नारायण ने आज नई दिल्ली में जनगणना-2027 पर एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया। दुनिया की सबसे बड़ी जनगणना दो चरणों में आयोजित की जाएगी, जिसका पहला चरण 1 अप्रैल 2026 से शुरू होगा। पहली बार, जनगणना डिजिटल रूप में आयोजित की जाएगी, और पहली बार 'स्व-गणना' (सी-एल्लैश्री-डब्ल्यू) का विकल्प भी उपलब्ध होगा। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, उज्जड़ और दिल्ली छावनी बोर्ड, गोवा, कर्नाटक, लक्षद्वीप, मिजोरम, ओडिशा और सिक्किम में 1 अप्रैल से 15 अप्रैल तक स्व-गणना और 16 अप्रैल से 15 मई 2026 तक मकान सूचीकरण और आवास जनगणना

केन्द्रीय मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने मजबूत आंतरिक डिजाइन क्षमताओं और सुदृढ़ घरेलू आपूर्ति श्रृंखला की आवश्यकता पर बल दिया

(जीएनएस)। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने पूर्व में घोषित 54,567 करोड़ रुपये के 46 आवेदनों की स्वीकृति के क्रम में, इलेक्ट्रॉनिक्स घटक विनिर्माण योजना (ईसीएमएस) के अंतर्गत 7,104 करोड़ रुपये के अनुमानित निवेश और 84,515 करोड़ रुपये के अनुमानित उत्पादन वाले 29 और प्रस्तावों को मंजूरी प्रदान की है। इन स्वीकृतियों से 14,246 प्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होने की उम्मीद है। वर्तमान में स्वीकृत उत्पादों में 16 उत्पादों का उत्पादन शामिल है जिनका उपयोग मोबाइल निर्माण, दूरसंचार, उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स, रणनीतिक इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोटिव और आईटी हार्डवेयर उत्पादों जैसे विभिन्न क्षेत्रों में



श्री अश्विनी वैष्णव ने इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण के लिए चार प्रमुख प्राथमिकता वाले क्षेत्रों को रेखांकित किया। सबसे पहले, उन्होंने देश में मजबूत डिजाइन

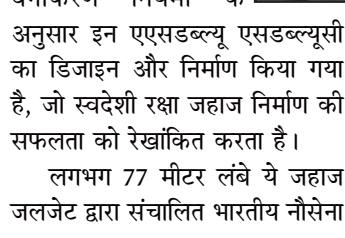
चौथी पनडुब्बी रोधी उथले पानी की नौका-एग्से नौसेना में शामिल

(जीएनएस)। कोलकाता के गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई) द्वारा स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित आठ पनडुब्बी रोधी युद्धपोतों (एसडब्ल्यू एसडब्ल्यूसी) में से चौथा, 'एग्से', 30 मार्च 2026 को कोलकाता में भारतीय नौसेना को सौंप दिया गया। कोलकाता के जीआरएसई द्वारा भारतीय जहाजरानी रजिस्टर (आईआरएस) के वर्गीकरण नियमों के अनुसार इन एसडब्ल्यू एसडब्ल्यूसी का डिजाइन और निर्माण किया गया है, जो स्वदेशी रक्षा जहाज निर्माण की सफलता को रेखांकित करता है। लगभग 77 मीटर लंबे ये जहाज जलजेट द्वारा संचालित भारतीय नौसेना

के सबसे बड़े युद्धपोत हैं और अत्याधुनिक हल्के टॉर्पीडो, स्वदेशी रॉकेट लॉन्चर और उथले पानी के सोनार से सुसज्जित हैं, जो पानी के नीचे के खतरों का प्रभावी ढंग से पता लगाते हैं। इस जहाज में 80 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री का उपयोग किया गया है। यह जहाज थ्रू लू रक्षा विनिर्माण इकोसिस्टम की बढ़ती शक्ति और आयात पर निर्भरता कम करने के निरंतर प्रयासों का प्रमाण है।

के सबसे बड़े युद्धपोत हैं और अत्याधुनिक हल्के टॉर्पीडो, स्वदेशी रॉकेट लॉन्चर और उथले पानी के सोनार से सुसज्जित हैं, जो पानी के नीचे के खतरों का प्रभावी ढंग से पता लगाते हैं। इस जहाज में 80 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री का उपयोग किया गया है। यह जहाज थ्रू लू रक्षा विनिर्माण इकोसिस्टम की बढ़ती शक्ति और आयात पर निर्भरता कम करने के निरंतर प्रयासों का प्रमाण है।

के सबसे बड़े युद्धपोत हैं और अत्याधुनिक हल्के टॉर्पीडो, स्वदेशी रॉकेट लॉन्चर और उथले पानी के सोनार से सुसज्जित हैं, जो पानी के नीचे के खतरों का प्रभावी ढंग से पता लगाते हैं। इस जहाज में 80 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री का उपयोग किया गया है। यह जहाज थ्रू लू रक्षा विनिर्माण इकोसिस्टम की बढ़ती शक्ति और आयात पर निर्भरता कम करने के निरंतर प्रयासों का प्रमाण है।



नवसर्जन संस्कृति हिन्दी

CHENNAL NO. 2063

देश-दुनिया के नवीनतम समाचार प्राप्त करने के लिए आज ही नवसर्जन संस्कृति हिंदी चैनल देखिये

सम्पादकीय

अमेरिका अब कर रहा ईरान में जमीनी कार्रवाई की तैयारी

पश्चिम एशिया में संघर्ष विराम की कोशिशें कमजोर पड़ती जा रही हैं। अमेरिका और ईरान की युद्ध बंदी की शर्तें ऐसी हैं कि हमें नहीं लगता कि इन पर कोई भी झुकने को तैयार होगा। तो क्या अब अमेरिका मुंह छिपाने के लिए और अमेरिकी जनता को इस हिमाकत युद्ध को जस्टिफाई करने के लिए जमीनी युद्ध पर उतर सकता है? अमेरिका और ईरान दोनों ने ही अपने रुख और कड़े कर लिए हैं। अमेरिका पश्चिम एशिया में और सैनिक भेजकर सैन्य तैनाती बढ़ाता चला जा रहा है। करीब 2500 मरीन कमांडों के साथ अमेरिकी वॉरशिप यूएसएस ट्रिपोली पश्चिम एशिया के करीब पहुंच चुका है। इसी तरह 82वें एयरबोर्न डिवीजन के 2000 पैराट्रूपर्स भेजे जा रहे हैं। दूसरा वॉरशिप यूएसएस बॉक्सर भी 2300 मरीन कमांडों के साथ अप्रैल में पहुंच रहा है। इस तरह करीब 7000 अमेरिकी सैनिक इलाके में पहुंच जायेंगे। इसके अलावा 50 हजार सैनिक पहले से ही मध्य-पूर्व में मौजूद हैं। इससे संकेत मिल रहे हैं कि अमेरिका वृत्तनीति के साथ जमीनी हमले समेत सभी विकल्प खुले रखना चाहता है। जानकारों का कहना है कि अगर वृत्तनीति नाकाम रहती है तो इन अमेरिकी सैनिकों का इस्तेमाल मुख्य रूप से चार उद्देश्य की पूर्ति हो सकती है। पहला—ईरान के मुख्य तेल निर्यात वेद खार्ग द्वीप पर कब्जा या उसकी नाकाबंदी। इस द्वीप पर हाल में अमेरिकी सेना ने 90 से ज्यादा टारगेट पर हमले किए। दूसरा—होर्मुज जलडमरूमध्य को सुरक्षित करना और उस रास्ते में जहाजों की आवाजाही को फिर शुरू करना। तीसरा—ईरान के तटीय इलाकों पर कार्रवाई और चौथा— उसके एटमी टिकानों को सुरक्षित करना और ईरान के यूरेनियम भंडार को कब्जे में लेना। उधर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के जमीनी जंग के संसुओं के जवाब में ईरान ने बड़ी तैयारी कर ली है।

ईरान ने 10 लाख सैनिकों की फौज जुटाई है। साथ ही ईरान ने कसम खाई है कि अगर अमेरिकी सैनिक ईरान की धरती पर युद्ध के लिए उतरते हैं तो उनके लिए हम यह पैसला ऐतिहासिक नरक तैयार कर देंगे। चलिए एक नजर इस बात पर डालते हैं कि अगर अमेरिका ईरान पर अपने सैनिक उतार देता है और खार्ग द्वीप और ईरान के दक्षिणी तेल भंडार पर कब्जा करने में सफल हो जाता है तो इससे ईरान के तेल के निर्यात को लगभग पूरी तरह अलग-थलग किया जा सकता है। शायद इससे होर्मुज जलडमरूमध्य का मुद्दा पूरी तरह हल नहीं हो। अमेरिका इसके कुछ हिस्सों पर कब्जा कर सकता है। लेकिन ईरान असंभावित युद्ध रणनीति (जैसे गुरिल्ला वॉर) का इस्तेमाल करके इसके कुछ हिस्सों पर नियंत्रण बनाए रख सकता है। दोनों पक्षों में भारी सैन्य हताहत होते हैं और ईरान में नागरिक हताहत होते हैं तो इसके भयंकर परिणाम होंगे। यह भी संभावना है कि अमेरिकी सेना सीमित या बड़े पैमाने पर ईरान में पंस सकता है।

उदाहरण के लिए वियतनाम और अफगानिस्तान सामने हैं। सैन्य अभियान आसान रास्ता नहीं हो सकता है। यह कभी भी साफ-सुथरा अभियान नहीं हो सकता। ऐसे अभियान कभी भी पूरी तरह सफल नहीं होते और यही इस युद्ध की सच्चाई है।

केन्द्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद ने अनुवादिनी एआई के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

आयुर्वेद अनुसंधान 13 भाषाओं में उपलब्ध: केन्द्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद ने अनुवादिनी एआई के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए एआई अनुवाद साक्ष्य-आधारित वैज्ञानिक ज्ञान को भाषाई बाधाओं के परे सुलभ बनाएगा (जीएनएस)।

आयुष मंत्रालय के तहत केन्द्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस) ने साक्ष्य-आधारित आयुर्वेद की जानकारी को 13 भाषाओं में सुलभ बनाने के लिए शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) द्वारा विकसित अनुवादिनी एआई के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस पहल का उद्देश्य पूरे देश में साक्ष्य-आधारित आयुर्वेद ज्ञान को बड़े पैमाने पर लोगों तक पहुंचाना है। इस समझौता ज्ञापन के तहत, अनुवादिनी एआई सीसीआरएएस के अनुसंधान परिणामों और शैक्षिक सामग्रियों का

हिंदी सहित 13 क्षेत्रीय भाषाओं में अनुवाद करेगी।

सीसीआरएएस के महानिदेशक प्रोफेसर वैद्य रवीनारायण आचार्य और अनुवादिनी एआई के मुद्द य



कार्यकारी अधिकारी डॉ. बुद्ध चंद्रशेखर ने इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। यह समझौता ज्ञापन उन्नत भाषा प्रौद्योगिकी और पारंपरिक भारतीय चिकित्सा ज्ञान के महत्वपूर्ण संगम को दर्शाता है।

अनुवादिनी एआई तकनीकी, वैज्ञानिक और शासन संघर्ष बंधी ज्ञान को विभिन्न भारतीय और विदेशी भाषाओं में अनुवादित करने पर केंद्रित है। इसका उद्देश्य विश्वसनीय, शोध-आधारित जानकारी की सुलभता, भाषाई या क्षेत्रीय पृष्ठभूमि से परे

डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने लखनऊ में मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स के सीएसआर कार्यक्रम का उद्घाटन किया

लखनऊ, 30 मार्च 2026: मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स ने आज लखनऊ में अपना सीएसआर कार्यक्रम आयोजित किया, जो वित्त वर्ष 2026-27 के लिए कंपनी की ₹200 करोड़ की राष्ट्रीय सीएसआर

प्रतिबद्धता का हिस्सा है। उत्तर प्रदेश में यह पहल समूह के व्यापक राष्ट्रीय सीएसआर ढांचे के तहत राज्य-स्तरीय क्रियान्वयन को दर्शाती है, जिसका फोकस शिक्षा, स्वास्थ्य, भूख उन्मूलन, आवास और पर्यावरणीय स्थिरता पर है। यह कार्यक्रम लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित किया गया, जिसमें उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री बृजेश पाठक मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स के वरिष्ठ प्रतिनिधि, आमंत्रित अतिथि और

शैक्षणिक छात्रवृत्तियां प्रदान की जा रही हैं। इसके साथ ही, समूह की पहल के अंतर्गत भूख उन्मूलन कार्यक्रम के तहत 9 शहरों में प्रतिदिन लगभग 3,200 भोजन उपलब्ध कराए जा रहे हैं, 144 माइक्रो-लर्निंग सेंटरों

के माध्यम से 5,889 छात्रों को शिक्षा सहयोग दिया जा रहा है, तथा 332 पेयजल कुओं के निर्माण के माध्यम से 5,700 से अधिक लोगों को लाभ पहुंचाया जा रहा है। ये सभी कार्यक्रम मलाबार चैरिटेबल ट्रस्ट के माध्यम से

समाज को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस प्रकार की पहलें व्यक्तियों के लिए अवसर सृजित करने और समावेशी विकास को बढ़ावा देने में सार्थक योगदान देती हैं। मलाबार

राष्ट्रीय प्रतिबद्धता का अभिन्न हिस्सा है, और हम यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि इन पहलों का लाभ लाभार्थियों तक निरंतर और प्रभावी तरीके से पहुंचे। राष्ट्रीय स्तर पर ₹200 करोड़ के सीएसआर

के तहत अपने शुद्ध व्यापारिक लाभ का 5% सामाजिक पहलों पर व्यय करता है। ये कार्यक्रम एनर्जेटिक सिद्धांतों द्वारा निर्देशित हैं और 'प्रथम' तथा 'थानल' जैसे संगठनों के सहयोग से लागू किए जाते हैं। विशेष रूप में अपनी सीएसआर पहलों के माध्यम से समूह

अब तक 18 लाख से अधिक लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डाल चुका है, और उत्तर प्रदेश सहित विभिन्न क्षेत्रों में इन कार्यक्रमों का विस्तार जारी है।



अदित का विश्वासघात अब परिवार से आगे बढ़कर देश के लिए खतरा बन गया है कलर्स के 'मंगल लक्ष्मी' में

कलर्स का पारिवारिक ड्रामा 'मंगल लक्ष्मी' अपने शानदार 700 एपिसोड पूरे करने जा रहा है और इसी मौके पर शो में एक बड़ा मोड़ आया है, जो भारतीय महिला की बदलती छवि को स्क्रीन पर दिखाता है। जो कहानी मंगल (दीपिका सिंह) की थी—एक ऐसी महिला की जो घर की चारदीवारी में अपनी पहचान, सम्मान और आत्मसम्मान की लड़ाई लड़ रही थी—अब वह और बड़ा रूप ले चुकी

है, देश की बेटी के रूप में। सबसे चौंकाने वाला दिवस तब आता है जब अदित सम्मोना (नमन शां), मंगल का पूर्व पति और उसकी सबसे बड़ी भावनात्मक चुनौती, देश के लिए खतरा साबित होता है। जो कभी घरेलू लड़ाई थी, अब राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला बन गई है। मंगल अपनी 'घरेलू' समझ और अनुभव का इस्तेमाल करते हुए अपने घर को ही इंटीलेजेंस ग्राउंड बना देती है अदित

की हर गतिविधि पर नजर रखती है, उसके कमरे में गुप्त उपकरण लगाती है और बिना किसी को शक हुए उससे कई कदम आगे रहती है। उसका मिशन साफ है—देश के प्रति जिम्मेदारी निभाते हुए अदित को

सोखी गई खूबियाँ जैसे ध्यान से देखना, धैर्य रखना, भावनाओं को समझना, मजबूती और मल्टीटास्किंग – ये साधारण गुण नहीं बल्कि देश की सेवा करने वाली असली ताकत हैं। अब सवाल यह है कि जब मंगल सच

'अदित घायल पुरुष अहंकार का प्रतीक है और अब उसने वह सीमा पार कर दी है जहाँ उसके कदमों के नतीजे पूरे देश पर असर डालते हैं। हाँ, उसकी यात्रा एक चोटिल अहंकार और नियंत्रण की चाह से शुरू हुई थी। पहले उसने अपने परिवार को धोखा दिया और अब वह पूरे देश को धोखा दे रहा है। यही बदलाव उसे और भी खतरनाक बना देता है। वह अपने अदित कमतर समझता है, वही मंगल की सबसे बड़ी ताकत बन जाती है। अदित जहाँ हाई-स्टेक्स गेम खेल रहा है, वहीं मंगल अपनी सहज प्रवृत्तियों से उसे मात दे रही है। इस ट्रेक में देशभक्ति की एक मजबूत परत जुड़ती है, क्योंकि अब टकराव सिर्फ

व्यक्तिगत नहीं बल्कि राष्ट्रीय है। यही वजह है कि यह आमना-सामना इतना तीव्र है – क्योंकि यह सिर्फ मंगल बनाम अदित नहीं बल्कि उनके मूल्यों की लड़ाई है। 700 एपिसोड पूरे करना इस बात का सबूत है कि मंगल लक्ष्मी ने भारतीय घरों से गहरा भावनात्मक रिश्ता बना लिया है। यह नया दौर टीवी पर महिलाओं की छवि को और खतरनाक बना देता है – सिर्फ पालन-पोषण करने वाली नहीं, बल्कि फैसले लेने वाली, सुरक्षा देने वाली और बदलाव लाने वाली। अगर मंगल की यात्रा महिलाओं को और निडर, जागरूक और आत्मविश्वासी बनने की प्रेरणा खड़ा करता है। जिस 'घरेलू' जगह को अदित कमतर समझता है, वही मंगल की सबसे बड़ी ताकत बन जाती है। अदित जहाँ हाई-स्टेक्स गेम खेल रहा है, वहीं मंगल अपनी सहज प्रवृत्तियों से उसे मात दे रही है। इस ट्रेक में देशभक्ति की एक मजबूत परत जुड़ती है, क्योंकि अब टकराव सिर्फ



कानून के कटघरे में खड़ा करना। माँ होने की जिम्मेदारी और कानून की रक्षा दोनों को संतुलित करते हुए मंगल साबित करती है कि घर के भीतर

के करीब पहुँच रही है, तो क्या अदित उसकी मिशन को नाकाम कर पाएगा? अदित के इस खतरनाक रूप पर बात करते हुए नमन शां कहते हैं,

सावधान! 1 अप्रैल से बंद हो जाएंगे ये सीसीटीवी कैमरे, क्या आपके घर में भी लगा है 'चीनी जासूस'

(जीएनएस)। भारत सरकार ने सुरक्षा कारणों से

हिकविजन और दहुआ जैसी दिग्गज चीनी सीसीटीवी कंपनियों पर कड़ा रुख अपनाया है। 1 अप्रैल से इन कंपनियों के इंटरनेट से जुड़ने वाले कैमरों और उपकरणों की बिक्री पर रोक लग सकती है। भारत का मानना है कि इन कैमरों के जरिए डेटा चोरी और जासूसी का खतरा है, जो राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए ठीक नहीं है। दूसरी ओर, चीन ने इसे व्यापारिक भेदभाव बताया है। चीनी मीडिया का कहना है कि भारत बिना किसी टोस सबूत के सुरक्षा के नाम पर उनकी कंपनियों को बाजार से बाहर निकाल रहा है। यह विवाद अब व्यापार और सुरक्षा के बीच एक बड़ी बहस बन गया है।

सुरक्षा चिंताओं के कारण प्रतिबंध भारत सरकार को डर है कि चीनी

इस्तेमाल जासूसी के लिए किया जाना आसान है। सरकार ने स्पष्ट किया है

सीमा को सुरक्षित करने के लिए उठाया गया है।



कंपनियों के कैमरों में ऐसे चिपसेट और सॉफ्टवेयर हो सकते हैं जो भारतीय डेटा को चुपके से चीन के सर्वरों पर भेज दें। चूंकि ये कैमरे इंटरनेट से जुड़ते हैं, इसलिए इनका

कि भविष्य में केवल उन्हीं कैमरों को मंजूरी मिलेगी जो पूरी तरह सुरक्षित होंगे और जिनमें संवेदनशील डेटा को विदेश भेजने का कोई रास्ता नहीं होगा। यह कदम देश की डिजिटल

चीन ने बताया भेदभावपूर्ण कदम चीनी सरकारी मीडिया 'ग्लोबल टाइम्स' ने इस फैसले पर कड़ा ऐतज जताया है। विशेषज्ञों का कहना है कि भारत ने कोई टोस सबूत पेश नहीं किए हैं और यह सिर्फ चीनी कंपनियों को बाजार से हटाने की एक राजनीतिक चाल है। उनका दावा है कि ये कंपनियां पूरी दुनिया में व्यापार करती हैं और उनके उत्पाद सुरक्षित हैं। चीन के अनुसार, भारत तकनीकी मानकों के नाम पर व्यापार में रुकावटें पैदा कर रहा है, जो अंतरराष्ट्रीय व्यापार नियमों और निष्पक्षता के खिलाफ है। भारतीय बाजार को ही नुकसान-चीन का तर्क

एनसीएल ने समय से पहले हासिल किया 140 मिलियन टन कोयला उत्पादन का लक्ष्य

(जीएनएस)।

सिंगरौली स्थित कोल इंडिया की प्रमुख सहायक कंपनी नॉर्डन कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल) ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए निर्धारित 140 मिलियन टन कोयला उत्पादन के अपने वार्षिक लक्ष्य 'य' को समय से पहले 30 मार्च, 2026 (पहली पाली के बाद) को ही हासिल कर लिया है। अपनी 10 अत्याधुनिक मशीनीकृत खुली खदानों के साथ एनसीएल ने पिछले एक दशक से लगातार अपने वार्षिक उत्पादन लक्ष्यों को पूरा करने की अपनी विरासत को बनाए रखा है, जो इसके उत्कृष्ट प्रदर्शनों को दर्शाता है। कोल इंडिया लिमिटेड की प्रमुख सहायक कंपनी नॉर्डन कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल) देश की ऊर्जा सुरक्षा को बनाए रखने में एक महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में उभरी है।



वर्तमान ऊर्जा परिदृश्य में घरेलू रूप से उत्पादित कोयले ने एक बार फिर देश के विद्युत क्षेत्र की विश्वसनीय आधारशिला के रूप में स्वयं को सिद्ध किया है। इस संदर्भ में एनसीएल का निरंतर और बढ़ा हुआ उत्पादन ताप विद्युत संयंत्रों की निर्बाध कोयला आपूर्ति सुनिश्चित करने में अर्त् यंत

महत्वपूर्ण रहा है। इस उपलब्धि पर एनसीएल के प्रबंधन ने अटूट प्रतिबद्धता, दृढ़ता और अथक प्रयासों के लिए अपनी टीम (एनसीएल) के समर्पित प्रयासों और सहयोग के लिए सभी हितधारकों की सराहना की।

भारत को जल्द मिलेगा चौथा र-400 मिसाइल सिस्टम, सीमा सुरक्षा होगी और मजबूत, समझें दुश्मनों पर कैसे करेगा वार?

(जीएनएस)। भारत की रक्षा क्षमता को बड़ी मजबूती मिलने जा रही है, क्योंकि देश को अप्रैल के अंत तक रूस से चौथा S-400 एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम मिलने की उम्मीद है। इस सिस्टम की डिलीवरी से भारतीय वायुसेना की ताकत और बढ़ेगी तथा खासकर पश्चिमी सीमा पर सुरक्षा और अधिक मजबूत होगी।

यह सिस्टम काफी एडवांस माना जाता है और दुश्मन के फाइटर जेट, मिसाइल और ड्रोन जैसे खतरों को दूर से ही पहचानकर उन्हें खत्म करने की ताकत रखता है।

दरअसल, भारतीय वायुसेना ने पहले ही रूस से पांच S-400 सिस्टम और पैट्रियर शॉर्ट-रेंज एयर डिफेंस सिस्टम खरीदने का प्रस्ताव रखा था। पहले से मिले तीन S-400 सिस्टम अलग-अलग एरिया में तैनात किए जा चुके हैं, जिससे भारत की हवाई सुरक्षा पहले ही काफी मजबूत हो चुकी है। अब चौथा सिस्टम आने के बाद खासकर पश्चिमी सीमा पर निगरानी और सुरक्षा और बेहतर हो जाएगी।

वहीं पांचवा मई माह में भारत पहुंच जाएगा।



S-400 सिस्टम कैसे करता है सुरक्षा?

पैट्रियर सिस्टम खास तौर पर ड्रोन, कामिकेज ड्रोन, जिन्हें लोइटरिंग मुनिशन या 'सुसाइड ड्रोन' भी कहा जाता है उन्हें और कम दूरी के हवाई हमलों को रोकने में बेहद कारगर माना जाता है। जब इसे S-400 जैसे लंबी दूरी के सिस्टम के साथ जोड़ा जाता है, तो यह एक मजबूत "दोहरी परत" वाली रक्षा ढाल तैयार करता है, जो सीमा पार से आने

वाले हर तरह के हवाई खतरे को निशाना बना सकती है।

ऑपरेशन सिंदूर में पाक के उड़ाए गए विमान को बनाया था निशाना रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारत ने एक S-400 मिसाइल के जरिए पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में करीब 314 किलोमीटर दूर एक बड़े विमान को निशाना बनाया था। इस कार्रवाई के बाद पाकिस्तान में हलचल मच गई और उसने अपने ऑपरेशनल विमानों को पश्चिमी एयरबेस की ओर शिफ्ट कर दिया।

भारत की सुरक्षा रणनीति में गेमचेंजर साबित हो रहा इतना ही नहीं, जब भारत ने लाहौर, रावलपिंडी, सियालकोट और पसूर में पाकिस्तानी रडार ठिकानों पर हमला किया, तब 9-10 मई को पाकिस्तानी वायुसेना की कोई खास गतिविधि नजर नहीं आई। खबरों के मुताबिक अदामपुर और भुज सेक्टर में तैनात S-400 सिस्टम के डर ने उसे पीछे हटने पर मजबूर कर दिया था। कुल मिलाकर S-400 और पैट्रियर जैसे आधुनिक सिस्टम भारत की सुरक्षा रणनीति में गेमचेंजर साबित हो रहे हैं।

314 KM दूर से पाक के बड़े विमान को बनाया था निशाना

रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारत ने एक S-400 मिसाइल के जरिए पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में करीब 314 किलोमीटर दूर एक बड़े विमान को निशाना बनाया था। इस कार्रवाई के बाद पाकिस्तान में हलचल मच गई और उसने अपने ऑपरेशनल विमानों को पश्चिमी एयरबेस की ओर शिफ्ट कर दिया।

भारत की सुरक्षा रणनीति में गेमचेंजर साबित हो रहा इतना ही नहीं, जब भारत ने लाहौर, रावलपिंडी, सियालकोट और पसूर में पाकिस्तानी रडार ठिकानों पर हमला किया, तब 9-10 मई को पाकिस्तानी वायुसेना की कोई खास गतिविधि नजर नहीं आई। खबरों के मुताबिक अदामपुर और भुज सेक्टर में तैनात S-400 सिस्टम के डर ने उसे पीछे हटने पर मजबूर कर दिया था। कुल मिलाकर S-400 और पैट्रियर जैसे आधुनिक सिस्टम भारत की सुरक्षा रणनीति में गेमचेंजर साबित हो रहे हैं।

श्री 1008 भगवान महावीर दिगंबर जैन मंदिर में धूमधाम से मनाई महावीर जयंती



महावीर जयंती पर महिलाओं ने प्रभाव फेरी निकाली, भंडार में उमड़े श्रद्धालु

आज के अशांति युग में भगवान महावीर के सिद्धांत प्रसांगिक: चंद्र प्रकाश जैन लखनऊ 30 मार्च। सोमवार को आशियाना स्थिति

श्री 1008 भगवान महावीर दिगंबर जैन मंदिर में अहिंसा और करुणा के संदेश के साथ धूमधाम से मनाई गई महावीर जयंती। अहिंसा और अपरिग्रह के प्रणेता जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी का जन्मकल्याणक महोत्सव सोमवार

को श्री दिगंबर जैन सेवा समिति आशियाना द्वारा अत्यंत श्रद्धा और हार्थिल्यास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर श्री दिगंबर जैन मंदिर आशियाना में विभिन्न धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

प्रातः काल 'प्रभाव फेरी' के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ, जिसमें श्रद्धालु भगवान महावीर के जयकारों के साथ गाते बजाते जैन धर्म की ध्वजा लिए सड़कों पर निकले।

मुख्य समारोह श्री 1008 भगवान महावीर दिगंबर जैन मंदिर आशियाना में आयोजित हुआ, जहाँ विद्वान पंडित

राजीव जैन शास्त्री के सानिध्य में भगवान महावीर का अभिषेक और शांतिधारा संपन्न हुई। उपस्थित साधुओं ने सामूहिक आरती एवं श्री महावीर विधान कर विश्व शांति की कामना की।

समिति के अध्यक्ष चंद्र प्रकाश जैन ने बताया कि "आज के अशांति युग में भगवान महावीर के सिद्धांत सबसे अधिक प्रासंगिक हैं। यदि हम केवल 'अहिंसा' और 'अपरिग्रह' (जबरूत से ज्यादा संग्रह न करना) को अपने जीवन में उतार लें, तो विश्व की अधिकांश समस्याओं का समाधान हो सकता है।"

इस अवसर पर समिति के मंत्री अजय जैन के साथ ही अखिलेश जैन, शरद कुमार जैन, अंकित जैन, अनूप जैन, आशीष जैन, वृजेश जैन, महिला मंडल की उपाध्यक्ष डॉ. सविता जैन सांस्कृतिक मंत्री श्रीमती स्वीटी जैन, श्रीमती अनीता जैन, श्रीमती संगीता जैन, के साथ ही भारी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन सामूहिक वात्सल्य भोज (भोज) के बाद सन्मति डिपार्टमेंटल स्टोर के बाहर आम पब्लिक के लिए गए विशाल मंडार के साथ हुआ।

हिन्दी साहित्य भारती की कोर कमेटी की दो दिवसीय महत्वपूर्ण बैठक आयोजित



झांसी। भारतीय जीवन मूल्यों की पुनर्प्रतिष्ठापना और विश्वबंधुत्व की उदात्त भावना के प्रसार के लिए, "मानव बन जाए जग सारा, यह पावन संकल्प हमारा" की मूल भावना के साथ वर्ष 2020 से कार्यरत अंतरराष्ट्रीय संस्था, हिंदी साहित्य भारती (पंजीकृत न्यास) के निर्णायक मंडल कोर समिति की एक दिवसीय महत्वपूर्ण बैठक स्थानीय होटल द मार्गवल्स के सभागार में आज संपन्न हुई।

बैठक में देश-विदेश से आए संस्था के संस्थापना से जुड़े वरिष्ठतम पदाधिकारियों ने राष्ट्रीय निर्णायक समिति के सदस्य के रूप में

अपनी सहभागिता दर्ज करावी। चार विभिन्न सत्रों में संपन्न बैठक में संस्था के संगठन विस्तार, प्रभावी सदस्यता अभियान चलाए जाने, विविध प्रकोष्ठों के गठन, वार्षिक कार्यक्रमों के नियमित आयोजन, निधि संग्रह अभियान, प्रवास कार्यक्रमों की रूपरेखा तय किए जाने के साथ ही संस्था की आर्थिक व्यवस्था, सभी प्रदेश इकाईयों के बैंक खाता खोले जाने, संस्था के विभिन्न संचालित आयामों को और रोचक तथा प्रभावी बनाए जाने सम्बंधी बिंदुओं पर चर्चा की गई। संस्था के आगामी 16, 17 व 18 मई 2026 को शिर्डी महाराष्ट्र में आयोजित होने वाले पाँचवें

अंतरराष्ट्रीय अधिवेशन की सफलता हेतु महाराष्ट्र आयोजन इकाई के साथ समन्वय किए जाने हेतु एक सात सदस्यीय समिति को दायित्व सौंपा गया। उल्लेखनीय है कि देश के सभी राज्यों, केन्द्र शासित प्रदेशों के साथ ही 37 देशों में अपने संगठनात्मक ढाँचे के साथ काम कर रही हिंदी साहित्य भारती के शिष्टमंडल द्वारा बीते दिनों फिजी तथा नेपाल में की गई सांस्कृतिक संवर्धन यात्रा की सफलता के बाद आगामी 10 जून से एक सप्ताह की मॉरीशस देश की यात्रा प्रस्तावित है, जिसमें संस्था के देश-विदेश के तीस सदस्यों के द्वारा सहभागिता की जानी है।

आयोजित बैठक का शुभारम्भ भारत माता, माता सरस्वती की मूर्ति पर माल्यार्पण के उपरांत दीप प्रज्वलन व सरस्वती वंदना तथा संस्था के ध्येय-गीत के गायन के साथ किया गया। निर्णायक समिति की बैठक संस्था के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. रवीन्द्र शुक्ल की अध्यक्षता में संपन्न हुई। ज्ञातव्य है, डॉक्टर शुक्ल उत्तर प्रदेश के बेसिक शिक्षा मंत्री रह चुके हैं। बैठक में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक लक्ष्मीनारायण भाला ने संगठनात्मक बिंदुओं पर गहनता से चर्चा कर मार्गदर्शन प्रदान किया। बैठक में देश के प्रकांड गीतकार एवं राष्ट्रीय कवि आचार्य देवेन्द्र देव, हंसराज कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय की प्राचार्या डॉ. रमा सिंह, पूर्व आई.ए.एस डॉ. राजीव शर्मा, डॉ. रमासिंह जादौन, डॉ. सुधीर शर्मा, डॉ. रामेन्द्र सिंह, विदेश विभाग के डॉ. संजय झा एवं वैभव वैद्य के साथ ही गुजरात से आए महर्षि शैलेश्वर स्वामी, डॉ. बलबहादुर त्रिपाठी, मोतीलाल गुसा, आचार्य श्रीहरि, निशांत शुक्ल, संतोष शर्मा, रुचि निवेदिता, वंदना अवस्थी, सोरभ शर्मा, मयूर गर्ग आनन्द उपाध्याय, राजदीप सिंह आदि की प्रमुख सहभागिता रही।



विन्धमगंज थाना पुलिस दोनो प्रशासन घटनास्थल पर पहुंचे और घटना स्थल का मौका मुआयना कर शव को कब्जे में लिया और आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी कार्रवाई पूरी होने के बाद शव को पोस्टमार्टम हेतु सीएचसी दुद्धी भेज दिया। इधर शव को शिनाख्त कराने

को लेकर मामले की जांच कर रहे विन्धमगंज थाना के दरोगा सुनील कुमार राय ने बताया कि मृतक की पहचान के लिए आसपास के थानों और सोशल मीडिया के माध्यम से को पोस्टमार्टम हेतु सीएचसी दुद्धी भेज दिया। इधर शव को शिनाख्त कराने

अज्ञात व्यक्ति की ट्रेन से कटकर मौत, क्षेत्र में सनसनी

(जीएनएस)। दुद्धी/सोनभद्र। तहसील क्षेत्र थाना विन्धमगंज अन्तर्गत ग्राम पंचायत सलैयाडीह में बियारी बस्ती रेलवे अंडरपास के समीप अप लाइन के पोल संख्या 57/29 के पास ट्रेन से कटकर एक अज्ञात व्यक्ति की मौत हो गई। सूत्रों के अनुसार ये घटना रविवार की देर शाम लगभग 9:00 बजे की बताई जा रही है। मौके पर जुटे प्रत्यक्षदर्शीयों के मुताबिक व्यक्ति की मौत पैसंजर ट्रेन से कटकर होने की संभावना जताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही जनप्रतिनिधि और ग्रामीण जन मौके पर घटना स्थल पहुंचे जहां अज्ञात व्यक्ति की शव को पहचान करने की प्रबल कोशिश की गई, लेकिन मृतक की पहचान नहीं हो पाई। सूचना पर रेलवे पुलिस और



कानपुर में गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल, सर्वधर्म महासभा ने सद्भावना दिवस के रूप में मनाया ईद-होली मिलन समारोह

कानपुर। शहर की ऐतिहासिक गंगा-जमुनी तहजीब को और मजबूती देने के उद्देश्य से अखिल भारतीय सर्वधर्म महासभा द्वारा कुली बाजार स्थित कार्यालय में एक भव्य 'ईद एवं होली मिलन समारोह' का आयोजन किया गया। इस गौरवमयी आयोजन को सद्भावना दिवस के रूप में मनाया गया, जहाँ हिंदू, मुस्लिम, सिख और ईसाई समुदाय के धर्मगुरुओं और प्रबुद्धजनों ने एक-दूसरे को गले लगाकर कौमी एकता की मिसाल पेश की।

को भी नई ऊर्जा देते हैं। महासभा के महामंत्री ने अपने संबोधन में देश की विविधता को रेखांकित करते हुए कहा, "हमारा मूलक एक ऐसे गुलदस्ते की तरह है

काजी मुफ्ती साकिब अदीब मिस्बाही ने की। इस दौरान सभी धर्मों और समुदायों के प्रतिनिधियों ने एक-दूसरे के हाथों में हाथ डालकर यह संकल्प लिया कि वे कानपुर को 'अमन और



जहाँ हर रंग के फूल अपनी खुशबू बिखेरते हैं। देश की तरक्की तभी संभव है जब हमारे शहर और प्रदेश में अमन कायम रहे।" उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे समाज में वैमनस्य फैलाने वाले असामाजिक तत्वों से सतर्क रहें और अपने बुजुर्गों द्वारा स्थापित की गई शांति को विरासत को सहेज कर रखें। कार्यक्रम की अध्यक्षता शहर

अब्बास, पादरी डायमंड युसूफ, सरदार राजेंद्र सिंह, पंडित राजेश मिश्रा, पादरी कुलदीप, बाबा संतोष राज बौद्ध। जनप्रतिनिधि व नेता, पूर्व सांसद सत्यदेव पंचौरी, विधायक कैट हसन रूमी, विधायक आर नगर अमिताभ बाजपेई, भाजपा नेता सलीम अहमद। गणमान्य नागरिक, प्रेस क्लब महामंत्री शैलेश अवस्थी, बार एसोसिएशन के वरिष्ठ पदाधिकारी तोहिद सिद्दीकी, हाजी सलाउद्दीन, और विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि व वरिष्ठ बुद्धिजीवी।

अखिल भारतीय सर्वधर्म महासभा का यह प्रयास न केवल कानपुर बल्कि पूरे देश को यह पैगाम देता है कि विविधता में एकता ही भारत की असली पहचान है। फूलों की महक और भाईचारे की मिठास के साथ संपन्न हुए इस कार्यक्रम ने यह साबित कर दिया कि नफरत की दीवारों मोहब्बत के सामने टिक नहीं सकतीं।

कार्यक्रम के संयोजक और संस्था के महामंत्री महबूब आलम खान ने बताया कि यह आयोजन हर साल की एक गौरवशाली परंपरा है। सभी महत्वपूर्ण त्योहारों के शांतिपूर्ण संपन्न होने पर आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य ध्येय समाज में एकता और प्रेम का संदेश फैलाना है। कार्यक्रम में मौजूद वक्ताओं ने जोर देकर कहा कि ऐसे आयोजन न केवल आपसी प्रेम बढ़ाते हैं, बल्कि हमारी साझा संस्कृति

एनसीएल ने समय से पहले वार्षिक कोयला उत्पादन लक्ष्य को किया पार लक्ष्य से अधिक उत्पादन करने की वर्षों की परंपरा को रखा जारी

(जीएनएस)। सिंगरौली। देश की ऊर्जा संरक्षा को समर्पित कोल इंडिया लिमिटेड की सिंगरौली स्थित मिनीरत्न कंपनी एनसीएल ने सोमवार को प्रथम पाली तक 140 मिलियन टन कोयला उत्पादन कर एक दिन शेष रहते वार्षिक कोयला उत्पादन लक्ष्य को हासिल कर इतिहास रच दिया।

"कोयला है तो भरोसा है" की परिकल्पना को चरितार्थ करते हुए, 140 मिलियन टन का यह ऐतिहासिक उत्पादन राष्ट्र की प्रगति के प्रति टीम एनसीएल की प्रतिबद्धता को दर्शाता

है। मौजूदा ऊर्जा परिदृश्य में, घरेलू स्तर पर उत्पादित कोयला एक बार फिर भारत के बिजली क्षेत्र की एक भरोसेमंद रीढ़ साबित हो रहा है। इस संदर्भ में, एनसीएल के लगातार और बढ़ते हुए उत्पादन ने तापीय बिजली संयंत्रों को कोयले की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाई है। अपनी 10 मशीनीकृत ओपनकास्ट खदानों के माध्यम से एनसीएल वर्षों से लगातार वार्षिक



उत्पादन लक्ष्यों को हासिल करते आ रही है, जो इसकी निरंतर परिचालन उत्कृष्टता को रेखांकित करती है।

एनसीएल की यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि कोयला देश के लिए सबसे कफायती

युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, फंदे से लटका मिला शव

(जीएनएस)। शक्तिनगर/सोनभद्र। थाना शक्तिनगर के बीना पुलिस चौकी क्षेत्र में बीना/बरनाली ग्राम पंचायत में उस समय सनसनी फैल गई जब एक युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों

में फंदे से लटका हुआ मिला। मृतक की पहचान मनोज सोनी उर्फ मैकू पुत्र विष्णु सोनी के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह घटना शाम करीब 4:00 बजे की बताई जा रही है। स्थानीय लोगों ने जब युवक को फंदे से लटका देखा

तो तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस द्वारा शव को एनटीपीसी अस्पताल शक्तिनगर मेमोरी में रखवाया गया है। फिलहाल मौत के कारणों का स्पष्ट

पता नहीं चल सका है और पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। ग्रामीणों में इस घटना को लेकर तरह-तरह की चर्चाएँ हैं, वहीं पुलिस हर पहलू से मामले की जांच कर रही है ताकि घटना के पीछे की सच्चाई सामने आ सके।

झगड़े के बाद विषाक्त पदार्थ के सेवन से महिला की बिगड़ी हालत

(जीएनएस)। दुद्धी/सोनभद्र। स्थानीय कोतवाली क्षेत्र के रजखड़ गांव निवासी सुनैना देवी (28) पत्नी श्यामू ने आज शाम पड़ोसी से हुए झगड़े से क्षुब्ध होकर घर में रखे विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया। हालत बिगड़ते ही परिजनों ने 108 एंबुलेंस को सूचना दी। सूचना मिलते ही 108 एंबुलेंस के चालक



अनिल और ईएमटी गौतम कुमार ने घायल को सीएचसी दुद्धी पहुंचाया।

जहां चिकित्साधीक्षक डॉ. शाह आलम ने प्राथमिक उपचार के बाद स्थिति सामान्य होने पर उन्हें छुट्टी दे दी। सुनैना देवी ने बताया कि वह कुछ दिनों से अपने ससुराल फतेहपुर के बजाय बच्चों को लेकर मायके में रह रही थीं। परिजनों के अनुसार मामला पड़ोसी विवाद से जुड़ा है। फिलहाल महिला को इलाज के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

विस्थापित कल्याण एवं पर्यावरण संरक्षण विंध्याचल की प्राथमिकता- साहा



ऊर्जा उत्पादन में नित नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा एनटीपीसी विंध्याचल मीडिकर्मियों से रुबुरु हुये विंध्याचल परियोजना प्रमुख संजीव कुमार साहा (सिंगरौली)। एनटीपीसी की विंध्याचल परियोजना एशिया की सबसे बड़ी एवं विश्व की आठवीं सर्वाधिक विद्युत उत्पादन वाली परियोजना है जिसकी वर्तमान विद्युत उत्पादन क्षमता 4783 मेगावाट है, जो कोयला, सोलर एवं हाइड्रो से उत्पादित होती है। विंध्याचल परियोजना निर्यापित कल्याण एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए संकल्पित है। यह बातें विंध्याचल परियोजना प्रमुख संजीव कुमार साहा ने कहीं। परियोजना प्रमुख आज उमंग भवन में मीडिया प्रतिनिधियों से संवाद कर रहे थे। श्री साहा ने कहा कि विंध्याचल परियोजना विद्युत उत्पादन के नित नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। उन्होंने बताया कि

विंध्याचल की उपलब्धियों के वजह से ही विंध्याचल को हर क्षेत्र में पुरस्कार हासिल हुये हैं। श्री साहा ने कहा कि मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है और मीडिया को परियोजना के विकास को लेकर अपना सहयोग देना चाहिए। मीडिया प्रतिनिधियों द्वारा वर्तमान परिदृश्य में आने वाली समस्याओं को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में परियोजना प्रमुख ने बताया कि एनसीएल परियोजनाओं से उन्हें संतोषजनक कोयला प्राप्त हो रहा है। वहीं कोयला परियोजनाओं से एमजीआर के माध्यम से कोयला आपूर्ति में डीजल की कमी के किसी प्रभाव को परियोजना प्रमुख ने नकारा वहीं सीएचपी के विद्युतीकरण किए जाने के सवाल पर परियोजना प्रमुख ने सहमति जताते हुये कहा कि इस सुझाव से वें वरिष्ठ प्रबंधन को अवगत कराएंगे। संयंत्र से निकालने वाले राख के उपयोग एवं उसकी उपयोगिता के बारे में परियोजना प्रमुख ने बताया कि सायंत्र से

निकलने वाली फ्लाई ऐश की शत प्रतिशत उपयोगिता को लेकर विंध्याचल परियोजना प्रतिबद्ध है, जिसके लिए विभिन्न स्तरों में प्रयास कर फ्लाई ऐश का उपयोग किया जा रहा है। पर्यावरण संरक्षण को लेकर एनटीपीसी विंध्याचल द्वारा कार्बन कैप्चर प्लांट की चर्चा करते हुये परियोजना प्रमुख ने बताया कि कार्बन फ्लूटिंग को शून्य करने की दिशा में एनटीपीसी द्वारा विंध्याचल में कार्बन कैप्चर प्लांट की स्थापना की गई। जिसके द्वारा संयंत्र से निकलने वाली हानिकारक गैस कार्बन मोनोआक्साइड को शोषित कर उसे वायुमंडल में जाने से रोकता है और इसके बाई प्रोडक्ट एथेनाल का उपयोग परियोजना में किया जाता है। परियोजना प्रमुख ने मीडिया के सहयोग के लिए विंध्याचल की ओर से मीडियाकर्मियों का आभार ज्ञापित किया। इससे पूर्व कार्यक्रम का प्रारम्भ परियोजना प्रमुख एवं अन्य अतिथियों सहित मीडिया प्रतिनिधियों द्वारा दीप प्रज्वलन का किया गया। इसके पश्चात

विंध्याचल मानव संसाधन प्रमुख श्रीमती रुमा डे शर्मा ने अपने स्वागत उद्बोधन में उपस्थित मीडियाकर्मियों का स्वागत करते हुये कहा कि एनटीपीसी विंध्याचल और मीडिया का संबंध बहुत मजबूत है और मीडिया द्वारा दिये गए सुझाव पर परियोजना आवश्यक विचार-विमर्श कर उसे प्रभावी बनाने का प्रयास करती है। कार्यक्रम के समापन अवसर पर आभार प्रदर्शन अपर महाप्रबंधक (मानव संसाधन) श्रीमती मुणालिनी ने किया। पत्रकार वार्ता का संचालन उप प्रबन्धक (नेगम संचार) श्री शंकर सुब्रमणियम ने किया। इस अवसर पर प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे। परियोजना की गतिविधियों को किया गया प्रदर्शित पत्रकार वार्ता के दौरान पावर प्रेजेंटेशन के दौरान परियोजना की उपलब्धियों एवं नेगम सामाजिक दायित्व के तहत किए गए कार्यों को प्रदर्शित किया गया। इस दौरान अपर महाप्रबंधक (ईईएमजी) श्री राजीव कुमार एवं उप महाप्रबंधक (सीएसआर एवं आरएंडआर) श्री महाबल आलम द्वारा क्रमशः परियोजना एवं सीएसआर की विभिन्न उपलब्धियों एवं गतिविधियों को प्रदर्शित किया।

छाता पुलिस ने फरार चल रहा बदमाश दबोचा : चोरी की बाइक और अवैध हथियार बरामद

मथुरा (जीएनएस)। थाना छाता क्षेत्र स्थित खानपुर रोड़ से पुलिस ने फरार चल रहे बदमाश को चोरी की बाइक और अवैध हथियार समेत दबोच लिया। जानकारी के अनुसार थाना प्रभारी छाता कमलेश सिंह और कस्बा चौकी प्रभारी राहुल चौधरी पुलिस टीम के साथ वांछित अपराधियों की तलाश में जुटे हुए थे। उसी दौरान उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि फरार चल रहा एक बदमाश, चोरी की बाइक और अवैध हथियार लेकर खानपुर रोड़ से होकर जाने वाला है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी कमलेश सिंह और कस्बा चौकी प्रभारी राहुल चौधरी पुलिस टीम के साथ वहां पहुंच गए। पुलिस को देखते ही वहां होकर निकल रहा



शांतिर बदमाश वापस भागने लगा। पुलिस टीम ने भागने का प्रयास कर रहे शांतिर बदमाश सुखदेव पुत्र स्व. कुंवर सिंह निवासी सिंगू थोक लल्लू मोहल्ला, कस्बा छाता को घेराबंदी करके दबोच लिया। पुलिस ने पकड़े

गए शांतिर के कब्जे से एक चोरी की बाइक, एक तमंचा और कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करके जेल भेज दिया है।

प्रदर्शनी- उमंग भवन में सीआईएसएफ विंध्याचल द्वारा विभिन्न सुरक्षा उपकरणों की प्रदर्शनी लगाई गई वहीं विंध्याचल की स्वयं सेवी संस्था सुहासिनी संघ द्वारा निर्मित विंध्या मसाले के विभिन्न उत्पादों को प्रदर्शित किया गया। जिसका उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं के हुनर एवं उनके कार्यों को मीडिया के माध्यम से आमजनमानस तक पहुंचाना था। साथ ही विंध्याचल द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पर प्राप्त पुरस्कारों को भी प्रदर्शित किया गया। पत्रकारवार्ता में मुख्य रूप से परियोजना प्रमुख संजीव कुमार साहा की पत्रकारवार्ता के दौरान मुख्य रूप से महाप्रबंधक